

ASHA ARCHIVES 3264

[illegible]

साईकाय २

साईन २

सावित्र २

सावित्र २

निरुज्जति । तिष्ठद विनिश्चयस्य वासुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ नृपुण्ड्रि याय ॥
 नैकी सो अमृतं ॥ कवगाधनं ॥ योगायास ॥ यं वचय ॥ पुष्क सावय ॥
 न १६ की मय ॥ दृष्टं मे वय ॥ वं ६४ युवय ॥ अमृतं या विती सावय ॥ लं ३२
 की मय ॥ गवी वजारी सावय ॥ वं ६४ गवी व सर्वान् जातं सावय ॥ वचय ॥
 सां ६४ स ४। आवी जनजी वा नाय व ना मिलन सावया व दय थ रु द रु दि य
 सावय ॥ याग यति ॥ आं की कां य व ल व ग य स रु ल क ४ रुं स ४ सां रुं स म या
 ल ०० रुं मि न स म जी व ०० रुं मि न ४ स म स व दि या नि वा द्यु ना न य न । प्र न या ल
 या ल ०० रुं वा ग यं म यं वि व कि सु नु २ सां ॥ ३ ॥ थ व न व रु थि या व य रु य ॥

साईन ४

साईकाय १

०० ति या ल य ति ॥ ॥ नैकी सो गंग य त य २ ॥ नैकी सो कां रुं य ता ला य २ ॥
 ज व स व सा व या य ॥ नैकी सो मि प्री पु व नि व या दा द्यु ज य ले ति ॥ न म का व ॥
 थ ना सा रु का या स ४ ॥ नैकी सो अं कं वं ग यं रुं आं अं पुं द्या य न स ४ ॥ नैकी सो ०० वं
 रुं जं स ७३ ०० रुं रुं नी या २ ॥ ३६ रुं रुं रुं स थ ना या २ ॥ ३७ रुं रुं रुं अ ना मि
 का या २ ॥ ३७ रुं य रुं रुं क नि द्या या २ ॥ ३७ रुं १० अ ४ क व ल क व रु द्या या २ ॥
 ०० ति क व न या स ४ ॥ नैकी सो अं कं रुं रुं रुं द्या य २ ॥ ३०० वं रुं रुं रुं नि
 व स या रु ॥ ३६ रुं रुं रुं नि खा य व य रु ॥ ३७ रुं रुं रुं क व वा य रु ॥ ३७ रुं रुं रुं

डो न न ग या य वो ष ट ॥ ३ अं यं १० मू ४ क व त ल क व ट्ट षा या २ ॥ ॐ न म न्या
 म ॥ ॥ नं दी पी वं ग यं मं ॥ मृ ला धा व म ॥ ३ वं नं मं यं वं लं ॥ लि (मि) ॥ ३ मं
 टं लं तं थं दं धं नं यं टं मं लि धु व ॥ ३ कं खं गं थं दं वं वूं जं मं १३ टं ० ॥ हृ दि ॥
 ३ अं आं ॐ ॐ ॐ डं डं मं मं ॐ ॐ ॐ नं डो डो अं मू ४ ॥ क (७) ॥ ३ हं दं ॥ न म थ
 ॥ डं मृ दि ॥ ॐ नि अ क म्मा ट्टि का न्या म ४ ॥ ॥ अ थ मृ ट्ट न न्या म ४ ॥
 नं हृ द या य २ ॥ श्री नि व स म्मा हा ॥ सो नि खा य व ष ट ॥ सो क व वा य हूं ॥
 श्री न न ग या य वो ष ट ॥ नं अ म्मा य ह ट् ॥ क व न्या म नो न न्या म ४ ॥ ॥

[illegible]

लाय २ ॥ ३ वं व न न म पु ल सा सा य २ ॥ ६० ति यु यु ग ॥ ५१ द के वा यु र्थ व च
 ना दि नि १ ॥ अ क ग म दा या ती र्थ आ वा रु न ॥ न ॥ ५२ ति ॥ मृ ल न द्वा द श धा ज
 य ७ ॥ धि न म दा ॥ त द द के वा ना न व मृ नि वा द य ७ ॥ ५३ ति य वा द वी वि
 द्वा क्री का म मृ वी धा म दि ॥ ५४ त न ४ कि न य वा द य ७ ॥ ना य नी य ॥
 या य या ना दि ग र्थ व ७ ॥ ६० ति ग र्थ वा न मृ य न वि धि ४ ॥ ॥ ग ता मृ
 ल या न मृ य न ॥ नि का ण ष का ण द रु व रु व मृ वि लि ख ॥ पू जा ॥ कां द
 द या दि ३ ॥ नै का म वृ य यी ण य २ ॥ क्री यु र्थ नि वि यी ण य २ ॥ ५४ ता ल र्थ व

यी ण य २ ॥ नै क्री सो ४ ॥ द द्या न यी ण य २ ॥ ॥ ३ प्री ति य व म न्द वी या ना धा
 व सा ध या मि ॥ ति य दि यु द्वा ल्य ॥ ३ प्री ति य व म न्द वी या र्ण य ति द्वा य या मि
 ॥ नि धा य मृ सो ॥ पू जा ॥ ३ वं अ मि म पु ला य द ग क ता ल म न २ ॥ नै या र्ण ना ध
 या मि ॥ यु द्वा ल्य यु य य ७ ॥ नै क्री सो ४ ॥ ॥ ३ प्री ति य वा द वी या र्ण य ति द्वा
 य या मि ॥ ॥ ३ वं मृ य म पु ला य द्वा द ग क ता ल म न प्री ति य व मृ वी
 या र्ण य व या मि ॥ आ न द मृ द द्या न य व य ७ ॥ नै ३ प्री क्री दि ति य ति दि य ॥
 नै क्री सो ४ ॥ य वा मृ त म क मृ द वी था नि मृ द या न की द्वा य ॥ ३ मं सा म म पु ला

यांकीकीथार्गनयिनविनूतविक्रमालंवितायां ॥ मायाकृपुलिनीति ॥ अथवा
 धति ॥ अथगुणवर्णनाम्नि ॥ अथगन्धादि ॥ नमस्कृतं ॥ ॥ तथैव ॥ ॥ ३ ॥ प्रीति
 धति ॥ ३ ॥ निवसिविन्दना ॥ ॥ तथैवकिमादृश ॥ ॥ अथैव
 दावधाम्नि ॥ लिखितमाकर्णय ॥ ० ॥ गच्छ ॥ अथवच्छुनति ॥ सैवावच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥
 अथमर्कगृहीवाद्यायवामनामावच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥
 अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥
 अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥ अथवच्छुनति ॥

[illegible]

मन्त्रानामविधिः ॥ नैऋतकथनं ॥ क्रीमुख्यकालनं ॥ सोऽरुक्कयादोयकालं ॥ उद
 कनं ॥ मन्त्राजलागयगन्वा ॥ आवम ॥ उं यलवश्रयनं वक्षसविर्नायनीकुन्ध ४ यवम
 मायवतायाणायासविनिथाग ४ ॥ उं कावणयाणायास ० ॥ १५५४ ३२१० ॥ मन्त्राजल
 मधुगिकोर्णलिखित ॥ त्रिकाणसवर्णं सवीजगुयलावय ॥ वक्रार्थनमः ॥ वासाय
 २ ॥ मोहिन्ये २ ॥ धनमानयकाणयस ॥ वासाय २ ॥ ह्ये २ ॥ वीर्ये २ ॥ वक्रासुगुलि
 स ॥ विदुः कलाय २ ॥ नादकलाय २ ॥ निर्वणकलाय २ ॥ धनयुयमानयसम्यामूदा
 नकायायावमूलनवील ३ जयलय ॥ सविष्टमगुलकृदवीधिवनयसूकण

मूदानाकागनमृताजालय ॥ अमृतमृताहवमृतावर्षिणिमृताम
 वय २ स्वाहा ॥ धनयुयधनमूदाकन ॥ तीर्थआवाहनं ॥ गन्धवयमनति ॥
 धनमृकणमूदानतीर्थआवाहनं ॥ मूलनधिव २ जयय ॥ विवीकणाय २ याक
 लाय २ ताकनाय २ अश्वकणाय २ ॥ अश्वमननवक्राकववनमृवगुणनं गन्धय
 र्थदवाअर्थ ॥ अतिनेदूमहाकायति ॥ प्रीतिववाय ० ० दमयन्त्रमः ॥ ३ ॥
 ० ० गिरिववायविये ॥ आथममसिदवयय ॥ तिषीयतिववव ॥ यायनाणयम
 दवमनावाकर्मसि ४ कर्त ॥ प्रीववणयवताय ० ० दमयन्त्रमः ॥ ३ ॥ वाच ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ अथ ध्यानम् ॥ गीर्थापूजा तादात्म्यं च समाकुर्वन् गंगाया
नमः ॥ उक्ताय मुनाय नमः ॥ उक्ताय नृमन्त्रिणे नमः ॥ उक्ताय भावावस्थाने नमः ॥ उक्ताय
सुखस्थाने नमः ॥ उक्ताय गणेशाय नमः ॥ उक्ताय कार्तिकेय नमः ॥ उक्ताय श्रीगणेशाय नमः ॥
उक्ताय श्रीगणेशाय नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गायत्री नमः ॥ उक्ताय नमः ॥
यविश्वं हस्तं च यथा महि । तन्नामोदयथा दयात्मा ॥ यन्मना कृतं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
आत्मासि ॥ नमः ॥ उक्ताय नमः ॥ उक्ताय नमः ॥ उक्ताय नमः ॥ उक्ताय नमः ॥
उक्ताय नमः ॥ नमः ॥ यन्मना कृतं ॥ यन्मना कृतं ॥ यन्मना कृतं ॥ यन्मना कृतं ॥

[illegible][illegible]

गाविष्णुकर्तृरसुनयननिवाक्या॥ कुरुमुपयुक्त ॥ अंतिमनुवाचमयाभिधाने
अननुमिसतालपय ३ गद्याय रतजाकोभवद्विद्यद्विद्विनसाभाव दिव्यतामन
तावये निश्चितविद्यवासादुक्तुदुवे मोनविद्यावक्तुया जवेपोत ७ हुवगजवरव
सिगरीवनधिसिद्धकाया ॥ सुविक्किल्लादिष्वासनरुमिसतयाव आसनयुक्त्याय
॥ उं वृथिवाभेनपुष्टुमृष्टिः सगवदुक्तुः कुम्भदिवता आसनविनिर्मागेशावृथि
वृथाभुतालाकादिविद्विमुनोभृता ॥ त्रिश्रक्षेयमादिविषेविगदुक्तुः आसन ॥
उं वृथिवाभेनपुष्टुमृष्टिः सगवदुक्तुः कुम्भदिवता आसनविनिर्मागेशावृथि

तथा ॥ सुरावदिलपितगरीवगामुलापूत्रितमुखवसुवसुक्ता ॥ तलः कर्मकावय
७ ॥ ॥ कर्मचिर्न ॥ पवपूजा ॥ ॥ पूजासमर्प्य नदाव ॥ तपयिषाय ॥
उं ययावकाकुमरुमिकावसगया नाजीवलीयास्तुया यास्तुभास्मिमवृद्ध
गगनभा निस्त्रासकायास्तुया ॥ याका ॥ ॥ दूवयामकूपाविलया यासपिगा
॥ दूवयामकूपाविलया यासपिगा ॥ दूवयामकूपाविलया यासपिगा ॥
लया ॥ गिनानन्दनकुलपूजा ॥ नन्दनकुलपूजा ॥ नन्दनकुलपूजा ॥
॥ नन्दनकुलपूजा ॥ नन्दनकुलपूजा ॥ नन्दनकुलपूजा ॥ ॥ निवसि

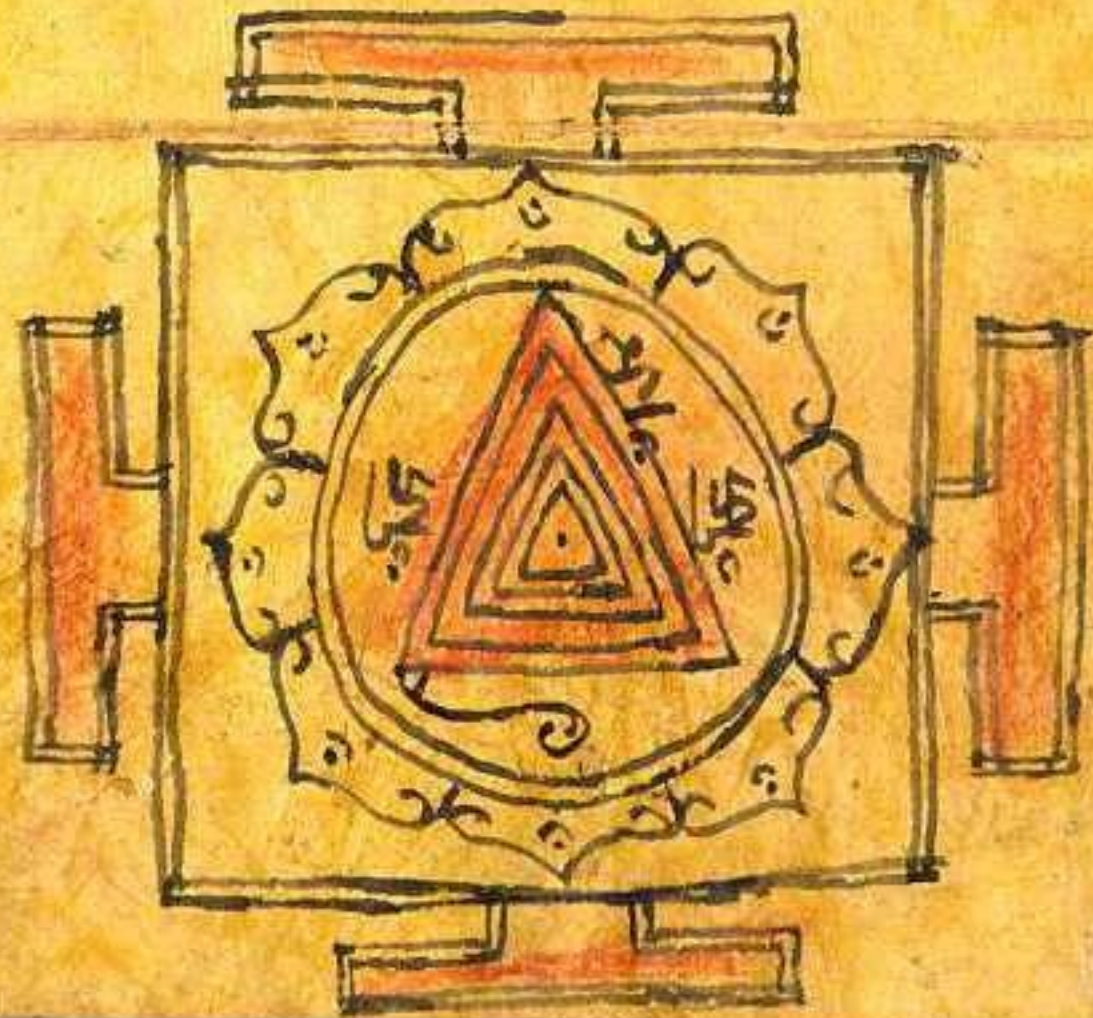


१॥ सयवधवनिधिलिखन ॥ यथमरुनिद्वयकर्मोदिसानुक्रवांससियविधाय
 त्रियकर्मोदिकं कृत्वा निः ४ कावण १ कुरुकं कथा ७ ॥ ॥ संकल्पवाय ॥ अथादि
 अस्म ७ काथय (गा) उद्धवनाभूषी कडिका दयाया ७ ॥ कवमकुसिद्धार्थवाक्य
 अदिवा कव ॥ तद्वर्णनकाम तद्वर्णन तद्वर्णन दर्वर्णन मार्जन तद्वर्णन वाक्प
 राजनपूर्वकत्वया सावधिमूकययुर्नयनध्वनमरुकलिषा ॥

१॥ हावस संख सजा किवजिविहिरुं सुखानिडा नृन कर्मम यूडा लथ वंख नानिडा
 थयाया विन दगिडा नयाय सद्धिनीयल १२० दूतुचूय थडा ०० रुधडा ताया ऊय थाल
 द्धियाय १००० रुक नं निन कर्म याय थयाया विन थन साही काल सीगीता सखी ॥

१॥ नयनयाय ॥
 २॥ लवुन नययामि ॥
 ३॥ वनमनु नययामि
 ४॥ यथा वनु नु नययामि
 ५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ६॥ नययामि ॥
 ७॥ लवुन नययामि
 ८॥ वनमनु नययामि
 ९॥ यथा वनु नु नययामि
 १०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ११॥ नययामि ॥
 १२॥ लवुन नययामि
 १३॥ वनमनु नययामि
 १४॥ यथा वनु नु नययामि
 १५॥ दीयो वनु नो ययामि
 १६॥ नययामि ॥
 १७॥ लवुन नययामि
 १८॥ वनमनु नययामि
 १९॥ यथा वनु नु नययामि
 २०॥ दीयो वनु नो ययामि
 २१॥ नययामि ॥
 २२॥ लवुन नययामि
 २३॥ वनमनु नययामि
 २४॥ यथा वनु नु नययामि
 २५॥ दीयो वनु नो ययामि
 २६॥ नययामि ॥
 २७॥ लवुन नययामि
 २८॥ वनमनु नययामि
 २९॥ यथा वनु नु नययामि
 ३०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ३१॥ नययामि ॥
 ३२॥ लवुन नययामि
 ३३॥ वनमनु नययामि
 ३४॥ यथा वनु नु नययामि
 ३५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ३६॥ नययामि ॥
 ३७॥ लवुन नययामि
 ३८॥ वनमनु नययामि
 ३९॥ यथा वनु नु नययामि
 ४०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ४१॥ नययामि ॥
 ४२॥ लवुन नययामि
 ४३॥ वनमनु नययामि
 ४४॥ यथा वनु नु नययामि
 ४५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ४६॥ नययामि ॥
 ४७॥ लवुन नययामि
 ४८॥ वनमनु नययामि
 ४९॥ यथा वनु नु नययामि
 ५०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ५१॥ नययामि ॥
 ५२॥ लवुन नययामि
 ५३॥ वनमनु नययामि
 ५४॥ यथा वनु नु नययामि
 ५५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ५६॥ नययामि ॥
 ५७॥ लवुन नययामि
 ५८॥ वनमनु नययामि
 ५९॥ यथा वनु नु नययामि
 ६०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ६१॥ नययामि ॥
 ६२॥ लवुन नययामि
 ६३॥ वनमनु नययामि
 ६४॥ यथा वनु नु नययामि
 ६५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ६६॥ नययामि ॥
 ६७॥ लवुन नययामि
 ६८॥ वनमनु नययामि
 ६९॥ यथा वनु नु नययामि
 ७०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ७१॥ नययामि ॥
 ७२॥ लवुन नययामि
 ७३॥ वनमनु नययामि
 ७४॥ यथा वनु नु नययामि
 ७५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ७६॥ नययामि ॥
 ७७॥ लवुन नययामि
 ७८॥ वनमनु नययामि
 ७९॥ यथा वनु नु नययामि
 ८०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ८१॥ नययामि ॥
 ८२॥ लवुन नययामि
 ८३॥ वनमनु नययामि
 ८४॥ यथा वनु नु नययामि
 ८५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ८६॥ नययामि ॥
 ८७॥ लवुन नययामि
 ८८॥ वनमनु नययामि
 ८९॥ यथा वनु नु नययामि
 ९०॥ दीयो वनु नो ययामि
 ९१॥ नययामि ॥
 ९२॥ लवुन नययामि
 ९३॥ वनमनु नययामि
 ९४॥ यथा वनु नु नययामि
 ९५॥ दीयो वनु नो ययामि
 ९६॥ नययामि ॥
 ९७॥ लवुन नययामि
 ९८॥ वनमनु नययामि
 ९९॥ यथा वनु नु नययामि
 १००॥ दीयो वनु नो ययामि
 १०१॥ नययामि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

742

ASHA ARCHIVES 3264

ॐ नमः शिवाय ॥



ॐ नमः शिवाय ॥

ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥

तिथि



दण्डवति निवीवति



अथवा ॐ नमः शिवाय ॥



ॐ नमः शिवाय ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री गुरुभ्यां नमः ॥ तत्तानि श्रुत्वा
वृत्तविधिलिखत ॥ वाक्कर्मकर्मकर्मकर्म ॥ यातकृत्य ॥ ज्ञान ॥ मध्य ॥ तथैव ॥
तत्तदवाचनं ॥ नामिद्य ॥ यागो यास ॥ ज्ञेयं ॥ ॥ नं ३२ ॥ वं ३४ ॥ हं हं मं हं
१० ॥ ॥ नाम ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥
ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥
मृत्पार्थिवानथ ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥ ज्ञेयं ॥

नमः यायुज ॥ अर्चितं सर्वकार्योत्कृष्टं साकृत् नैव वशं नोसि युक्ता गणकि
र्चुकि मूकि रुतयुदै ॥ यथै २ ॥ ॥ पुनः नमः ॥ ॥ नै ॥ अर्चुकि मूकि रुतयुदै ॥
कार्त्तयार्थं यत्नवत्तावन ॥ तद्यदै दलितं यत्नतस्मै श्रीपुनवत्नमः ॥ ॥
गामनं ॥ नै ॥ यथासनयायुज ॥ वलि ॥ नै ॥ यथासनयायुज ॥ अर्चयार्थ
म ॥ नै ॥ कुत्तमिनयायुज ॥ यवक ॥ नै ॥ किलिश्चिक्काकलायै क्रष्टम
शायरुट् ॥ ॥ अवस्ववलितिन ॥ नै ॥ नै ॥ रुट् वजयश्रुत्तं वा हा ॥ लाहता

वजसकृष्टमर्चयार्थं ॥ नै ॥ वलमकृत्तं कृत्तमवत्तं नै ॥ रुट् वजयश्रुत्तं वा हा ॥ वज
वावर्त्तन ॥ ॥ न्यामः ॥ नै ॥ किलिश्चिक्काकलायै क्रष्टमशायरुट्
ट ॥ कनयुद्धि ॥ ॥ नै ॥ नमः नगवती कृत्तमलायै क्रष्टमशाययुज ॥
नै ॥ कुत्तिकायै क्रष्टमलायै क्रष्टमशाययुज ॥ नै ॥ क्रष्टमलायै क्रष्टमशाययुज ॥
मा ॥ यथायुज ॥ नै ॥ यथायुज ॥ नै ॥ यथायुज ॥ नै ॥ यथायुज ॥ नै ॥ यथायुज ॥
ज ॥ नै ॥ क्रष्टमलायै क्रष्टमलायै क्रष्टमलायै क्रष्टमलायै क्रष्टमलायै क्रष्टमलायै

कलायेकः मन्त्राय रुट् ॥ ॥ ततावर्क्या मः ॥ ॥ नैऋतमातृगवती हक्क
मलायेकां ध्रुववर्क्या डर्क्या यथायुज ॥ ॥ नैऋतं कर्किकायेकां ध्रुववर्क्या
यथायुज ॥ ॥ नैऋतं कर्किकां ध्रुववर्क्या दक्षिणं वक्त्रायथायुज ॥ ॥ नैऋतं
वसुधा वसुधा नामस्वीकं डक्क वक्त्रायथायुज ॥ ॥ नैऋतं कर्किकां मलाका वि
कायेकां ध्रुववक्त्रायथायुज ॥ ॥ नैऋतं कर्किकां कलायेकः यथायुज
वक्त्रायथायुज ॥ ॥ नैऋतं वक्त्रायथायुज ॥ ॥ नैऋतमातृगवती हक्क मला

येकां हृदयायथायुज ॥ ॥ नैऋतं कर्किकायेकां निवसन्त्याह ॥ ॥ नैऋतं कर्किकां
ध्रुववर्क्या दक्षिणं वक्त्रायथायुज ॥ ॥ नैऋतं वसुधा वसुधा नामस्वीकं कव
चोयुज ॥ ॥ नैऋतं कर्किकां मलाका वि कायेकां कर्किकां ध्रुववक्त्रायथायुज ॥ ॥
नैऋतं कर्किकां कलायेकः मन्त्राय रुट् ॥ ॥ ॥ नैऋतं कर्किकां मलाका वि
कायेकां ध्रुववक्त्रायथायुज ॥ ॥ तता जन्तयायथायुज ॥ ॥ यकवायावमवित ॥ ॥ नैऋतं ॥
॥ ध्रुवायायथायुज ॥ ॥ नैऋतं जन्तयायथायुज ॥ ॥ नैऋतं हृदयादिषु मन्त्रायु

जा॥ वन्द्यता कृतधनसूदायार्थ ॥ तज्जलनसर्ववस्तुमिदं न॥ गायत्री ॥
 जैग कृदिकाथे विदुः कृतदीयाथे धीमहि । तन्ना कर्तुं युवा दया ॥
 नानामिदं न॥ ॥ वंति जलयागयुजा ॥ ॥ ततः सूर्यायुजा द्वा
 तसार्ग्यार्थयुजा यावत्सूर्यायुजा जवत्स ॥ ॥ सूर्यायुजा ॥
 त्रिकाणवायावत्सवित् ॥ ॥ ययुजा ॥ जैग कामवृषयीणययायुजा ॥ जैग जा
 तधत्तयीणययायुजा ॥ जैग वृषुनिवियीणययायुजा ॥ जैग ज्ञानयीणय

यायुजा ॥ स॥ ॥ जैग नमः सगुलाययायुजा ॥ यावत्सायाय ॥ धूर्य ॥ जैग कूँडो
 क्रीरुट्वाहा ॥ जैग रुं मूर्यसगुलाय द्वादन कलान्ननयायुजा ॥ द्वायवृषय
 ७ ॥ जैग मंसासगुलाय द्वादन कलान्ननयायुजा ॥ युजा ॥ ताकात ॥
 जैग कौंक्रीक्रीक १ युष्टुनश्चायथा नतनत २ नूवृय २ चट २ युचट २ क
 कुरुवम २ धम २ द्यातय २ विद्यातय २ विधि २ कूँ ३ रुट् प्रीकोमाविकीवि
 द्यायुजा ॥ जैग श्रीसूर्याययायुजा ॥ त्रिकूटसूर्याययायुजा ॥ त्रिकाण

लं प्री मादि दव या यूग ॥ वलि ॥ जै न न म न या यूग ॥ जै न कौ कौ कौ क ॥
 या ला य या यूग ॥ वलि ॥ जै न म यू न म न या यूग ॥ जै न प्री की क न र्ग व द क न
 थ य या यूग ॥ वलि ॥ जै न मृ ना म न या यूग ॥ जै न नै नी गृ न ॥ ली प्री क ल न ॥ लघु
 ना य या यूग ॥ वलि ॥ मा वा रु ना दि द लु र्ग र्ग ती ग ज म र्ग द ग थ ॥
 त ता न वा मा च्च ने ॥ मा म ॥ जै न कौ म र्ग द य न म ॥ या यूग ॥ जै न कौ र्ग र्ग ती र्ग
 या यूग ॥ जै न लु म र्ग मा य या यूग ॥ जै न व म् ना ति का य या यूग ॥ जै न य क ति
 षा य या यूग ॥ जै न डु म् मा य रु ट् ॥ ॥ क र्ग न्या म ना रु न्या म ॥ ॥

जै न कौ रु द या य न म ॥ या यूग ॥ जै न कौ नि व म् मा रु ॥ जै न लु नि खा य व द ॥
 जै न व क व वा य रु ॥ जै न य न र्ग या य वी य ॥ जै न डु म् मा य रु ट् ॥
 त ता य रु न्या म ॥ जै न रु नि खा म् न या यूग ॥ ति व खा ॥ जै न म् नि व म् न या यूग ॥
 व म् या रु ॥ जै न कौ त ता रु या यूग ॥ ता टि का ॥ जै न म् व क्का य या यूग ॥ खा व ॥
 जै न लु रु द या य या यूग ॥ नू न व ॥ जै न व ना मी या यूग ॥ त रु ॥ जै न वं गु र्ग या यूग ॥
 ति ने ॥ जै न यं जा मी या यूग ॥ था ॥ न या ॥ जै न डु या द द य या यूग ॥ या त ॥ न या ॥
 ॐ ति द रु न्या म ॥ ॥ त ता म् म न ॥ जै न रि का ल यूग ॥ जै न कौ कौ कौ क

४ कृष्णाला यथायुग ॥ नै ग्री की वद क नाथा यथायुग ॥ नै गंगा नी नै ग ॥ नै ग्री क
नगलष्वना यथायुग ॥ नै ग्री मका को नाविका विवयायुग ॥ नै ग ॥ नै काला ये यो
युग ॥ नै ग यथा मनयायुग ॥ नै गल वा मनयायुग ॥ **यथायुगति** ॥ नै की प्री कुं की
कुं मान न्यन किने नवा मन्यवी नाधियतय युग ॥ प्री मका विद्या ना ज प्री या
युग ॥ ३ ॥ **वति** ॥ निपुन थानि मर्दा द **लथ** ॥ **॥ कर्म**
जा ॥ नै ग वृथा मनयायुग ॥ नै ग मि का मनयायुग ॥ नै ग म्हा कां थ था म की था
न था न क न दू दू म व र ४ म व म व के रं म ४ को नू द नू य क ४ था युग ॥ **वति** ॥

नै ग नै व द क डि नी कुं नै ला था क र्म नी की कामा न दा व नी की मी म हा का न का वि नी
नै मी म ४ था युग ॥ **वति** ॥ नै ग न मा न ग व नी कुं क डि का थ कां की की था न म्हा
न म्हा ना म्ही कां की किलि किलि विवया युग ॥ **वति** ॥ **यव म हा मर्दा** ॥
नै य द ॥ की ध न ॥ प्री कुं ॥ कुं थानि ॥ की म हा मर्दा द लथ ॥ **॥ तता**
मृ त म्हा ना र्ज न ॥ **गाम** ॥ नै ग नै द द था य न म ४ था युग ॥ की नि न म्हा हा ॥
नै ग प्री लि था य व व द ॥ नै ग कुं क व वा य दू ॥ नै ग को न र्ग र था य थो व द ॥
नै ग डू म्हा य रु दू ॥ **॥ क र्म** न्या म ना म्हा म ४ ॥ **गाम** नै ॥ नै ग म्हा

नादिष्टयष्टिकासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासन
यायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासन
वयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋत
मिहामनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ **ध्यान** (१००) ॥ यथाकर्तृत्वा
वो॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥
दण्डयुगध्यानितं॥ उमनयनयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥
यष्टयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥

यथाकथातवेण॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासन
यवती॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥
मिहामनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासन
नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋत
मिहामनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासन
नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋत
यथाकथातवेण॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासनयायुग॥ नैऋतयुगतासन

[illegible][illegible]

श्री ५१ व. ना न न नाथाय नमो भव नमि गाथा सिद्धा नम सदा वि का ना हे व क्षो भु

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ वन्द्य सदा सकल कीर्तिकामानुषुतं कुरु पुन नवकया ल
कदवताल । खडा सख रुवव रुक काय रुम दान किर्ति गि सुवतं पुन
वत्त माया ॥ श्री मा सत वद कनाथ ॥ ति पुमिद रुम द ॥ मूना विज नका तन
धूमक दुः । नीवी सत ॥ गग ति मूक ल ता द वी त ॥ या या म न क व स न ॥ लिखि
वीरुता व ॥ सिदु व मा ल्य स द मू कि न व क की र नि कि छ ता छ न य था य न
द रुत वी ॥ विरु क ॥ व व व म उ क मा द मू र या या द य ग ल या ति ॥ सक
ला र्थ दाता ॥ मूली ग ता थ त व या द य र्ग न ता ति व र्थी ग ता थ व व ल म्ब न रु य य

या मे गी ग ता थ नि वि स र्व त मा त ज था न्ने पु दि द व पु नू की म त र्ग न ता मि ॥ ॥
य म ज मा ति वि म रु म स मा न व र्व ॥ म कि रु त क लि ग य क ज व क म ॥ ॥ पु
न न्य द व न वा न क क रु कि क ग त मी न मा मू पु व व स त र्ग नि वा य ॥ ॥ नि र्द
न मा मि पु नू य कि ग ल न म म का दि वी य मि द म क ता न वि मा न वी द्या म । थ
यां म रु व व ग य क ज म ग य म्प म या या त रि द ग म पु ल ना य ल द्वा ॥ ॥
म मा न था य वि ता हि वि द रु ज का ॥ म जी व ना य स व त य वि रु नि म रु । म म
य ना ग ल नि । ग य व द रु या छ व लि व नू य मि रु म न्य वि म द द्या ॥ ॥

काविद्वयसि किलात सवाध वया न्वं वदित २ युथ सता निवि ना ज थू था ४ ती कू
कटा कन वथी वन ड रु स र्क ना सा व स थू त प्र नि ति क लु ता थ ४ ॥
वा की था ना क नृ थी व रु वि वि ध ध ना नो ड वि का व नी डी को सा नी की कि का ता
धि व ति स धू स थ वी वी गा य ता ता । वा ना की वा गु थ की व दू त न य ट हा नृ थ
सा ना त / थ लु दी वा स गु वा धि त की रु न ग ल स ले ता सा त वा वे ४ थू त नृ ॥
त जा रु वा न ग व नी स हि थ थ व पु म (पु) म धू ध न य ना धि मू व र्क वी ज ४
रु वा मू वा धि थ य नी गु ति पुं न गु नी वी था व त न द रु नी ज न नी य ना गु ॥ ॥

विवा र्क क वि व यु ना कि वि रु ना वा नी पु नी द व त वी (पु) नृ ग क वा ति का त ल ग
नी वा ती ति नी यो व नी । य द मू र न व रु व रु वि त ग ला का टी के वा नि वि ता स
व त क वि नी म वा थ व द नी या था धि या सा त था ॥ ॥ था था द २ क डि क
ग नृ स धि क ल ज ना ना व ता त ४ रु या त र्वा वी / ना वी न रु द ४ थू त ति त ४ क
ग थ थू त क क र्म ज रु ४ । स र्वा क वि पु वा स नृ क ल क ल वि (ध) स गु ला
दि र्ग र्ग र्ग र्ग रु ४ न व थ ग ४ स क ल नि ज पु र्ग र्ग र्ग ४ र्ग र्ग क र्म ग ४ ॥
स / थू थू सा स न रु ॥ ॥ था स नी / थू त मू र्वा पु ना की नी डी रि ख गु वि

कृताविजिह्वा। मरुद्वर्कणीगुलिनीविलायीमदासिखायासवधुमदासां॥ ॥
 धाकासुवधुतिनिर्मवधुमतिषण्मस्योमिरीकलयेतिमकुठहिसाणु
 शुद्धदण्डसुखेजविश्रुतसकवर्कजशानुजसुखगवकसहस्रमनाति॥ ॥
 आसावकागितगा॥ ॥ ७८॥ लोखजकलिकेति॥ ॥ सायाककुल
 नीति॥ ॥ दृष्टुष्टुविष्टुष्टुसयीति। लघुनीमितिष्टुष्टुयाथलयाकुज
 धनी। पुष्टधनीमिष्टुष्टुसुखीकुठकीप्रियवनीसहतालपीसयि॥
 प्रीसहकसिपुताकति॥ सहस्रसलसलति॥ अन्यगवगनामि॥

साकान्यवृद्धिविहृति॥ विधिर्कनिति॥ दिवावानकवति॥ वृमवसातावयिता
 वृमववृमववर्थेषुगुनवृमव। वृमवविद्यावविणवृमववृमवमर्वम
 मयववव॥ ॥ ७९॥ नमस्तुति॥ मिष्टुष्टुजजववागठलधुमासा
 सकानतामययाववदासुदपा०। मिष्टालकोमयविवाठगलधुवणीव
 धाकुजांमिष्टसुखामनिर्णमनामि॥ १॥ वकाववागिनयनीविणयातिदका
 सायादिसानममसुक्तिरवासवाजी॥ ७९॥ लसुनयवयर्णप्रतिवावयकी०
 वासकसातवसहस्रलसासिवदु०॥ २॥ लोखकवायविनतायवसय

मिद्धाः यीयुष विदुवनिधीतनिवृत्तमार्ता । कथर्थसृष्टिर्वसि विद्युमविक्रवर्षा
वालावित्ताणवमरीः यनि विक्त्यामि ॥ ३ ॥ नेषल्लिकाहृगयतश्च य
विशुष्टुष्टमाणिष्टमपुयनिष्कृति कासनाह्वा । आवन्महावगतितामवता
तथाष्टीकोतपुत्रीमगवती द्वियगावकुडी ॥ ४ ॥ सारस्वमवशिष्टिवाणि
महातिदृष्टयतायि युयीठयति सांगिनिवाजकैत्य । कीर्तिरिकाद्यदितिओ
कनयन्तवायाय्यानिष्कविनतिष्टवन्किन्क ॥ ५ ॥ वषट्किया
वटवन्ववणीसातायनिवन्विमकककुं । नृणां विद्यानन्यसयी

कृणकीं नृणामिनाहृतवयाययांशु ॥ ६ ॥ वद्धाकाशीकुञ्जणीकनकवि
नविताकिक्किणी (प्राणिथयानातावन्मन्विणततिरतन्मन्वाहैमगाति
न्यसाया । सायासूकिर्मनीयामणिसयस्ववितावटगर्भविनासाजीसानि
वर्णिष्टुयायनमविजययायागुसाष्टीकुञ्जणी ॥ ७ ॥ अवनिष्टिका
ममकृत्तदांनिर्मयिणीमन्यवीः वृक्षाणवधिजदिनीः मयकनीः शीत्य
ककींमन्ववीः । लानांमर्दपुष्टविकायणसिका निष्ठातिनीः मयिकांमृ
द्यां सुततरनां सुमिष्टिकविनीः मिष्टुर्ककीः कीर्तय ॥ ८ ॥ ॥ ॥ ति वि

मलान्मज्जनविनविरीकृदिकारुवंमसार्थ॥

॥ कृष्णकोसावीद्यानार्चन ॥

कोमावीचा ॥ राजाचा ॥ घुजेन ॥ यद्वामनवाय ॥ तायकाल ॥ कोमावीयातें आसनत ॥
 कोमावीत ॥ लिखत दाय ॥ वगसिन्धवेस्वर ॥ अजमकात ॥ खानत ॥ कर्णुयेमाचन ॥
 यश्च यमायन ॥ अद्वालित ॥ यदूमध्यात ॥ ॥ तगवंलियूजामालकोस्वायन ॥
 तगवृजुन ॥ नासिय ॥ उंअद्यादि ॥ वाय ॥ गुवनमस्वार्थ ॥ न्यासा ॥ तगवृजा ॥ माल
 नीय ॥ यश्च वलि ॥ विवलियूजा ॥ दधुतर्जनी गजमूर्धा ॥ विजयद्रासनयादुकायूज
 यामि ॥ जवामनयायूज ॥ **गियाऊलि** ॥ कलभूनच ॥ किंनरवानच ॥ तिस ॥ गियाऊ
 लियूयायायूज ॥ ३ ॥ वलि ॥ विमूलया ॥ निमूर्धा ॥ अद्यावतद्रवतीणी ॥ वलि ॥ ॥

ततो कोमावीयूजन ॥ न्यास ४ ॥ कांक्षदयादिस्तुत ॥ आसन ॥ आधाना यष्टय
ष्टिकासनयायूज ॥ ८ ॥ अं जमयूवासनायेथायूज ॥ आचारुनादिधान ॥ जंजवश्च
कावृणसंकाशो गणिकाठिसमयरा ॥ सूर्यविम्बनिरायदी ॥ वीर्यरुसितानना ॥
वाल्लूयीमहामाया कोमावीयूयवृषिणी ॥ शुक्रावकुर्वजोकाशयूधुलिङ्गकि
मृगक ॥ यद्गन्तागमलिमोलिमकालकावृषिणी ॥ लिखितजसमानूठा विद्यान
भक्तिकाविणी ॥ सोरायासमयालक्ष्मीमाय ४ ययंजगं प्रियं ॥ सर्वकामध्वनीयदी
सर्वव्यायीमरुध्वरी ॥ आगच्छदुस्तिगावककुलायसृष्टिकाविणी ॥ ध्यात्वायदी
सदानामि कोमावीयूरुमङ्गला ॥ ध्यानयूय २ ॥ आचारुतस्त्रयादि ॥ ॥

मूलमकुणययाकुलिं॥^ॐकांकांकांकां॥पीमहाकोमानीविद्ययादुकायुज॥ ३ ॥
 वलि॥विजलुलसंतयायुज॥अ॥^ॐचाववजवतीणी॥विजकांदययादिवर्णन
 युजा॥एतनवलि॥अ॥वाक्कायादिअ॥सुमारुकायुजा॥एतनवलि॥
 सुदिविस॥वदकमरुकाकावनदि॥वलि॥कादिविस॥गणकयमरुकाकाल॥
 वलि॥अ॥यस॥कयसिद्धिवाभुअ॥दवीरु॥सुनकय॥वलि॥आवाहनदियानि
 मूददिविस॥विदुदक॥कगन॥^ॐतिकोमानीयागावनीविधिसमाधु॥
 १नकावलिद्वययाकोमानीयुजाःनक॥सुद्वययाथ॥॥स॥४॥॥सुद्वय॥२थ॥॥

विजलीपुत्रसुन्दरीदवीनमः॥न॥मायाकुलिनीक्रियामधुमतीकालीकलामालिनी
 मातंगीविजयाजयाकगवसीदवीगिवाभरुवी॥नकि॥१॥केनवल्लुगिनेयनीवाग्नेदिनी
 रेवती॥॥कात्रीपुत्रायनायनमयीमायाकुमानीत्वसि॥॥०॥मिसुन्दरिणी॥



१०० नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कर्तुं शक्नुतेः शान्तं सर्वं वदन् ॥ विष्णुं च वदन् वदन् ॥ प्रकटवत् सुभं ॥ वनः वनालय
 विः श्रीगुरुयस्तु ॥ १ ॥ आयमानासदाध्वीः सिद्धान् यत्र भवति ॥ १ ॥ नमो भगवते
 नमः ॥ निर्विकल्पकानन्द ॥ १ ॥ १०० कर्मसमेत ॥ १ ॥ १०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः
 १०० कथाख्यातः ॥ १ ॥ १०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः ॥ १ ॥ १०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः ॥ १ ॥



१०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः ॥ १ ॥ १०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः ॥ १ ॥ १०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः ॥ १ ॥ १०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः ॥ १ ॥ १०० लोकादयः ॥ १ ॥ १०० विद्वद्भ्यः ॥ १ ॥